भारत में 'मैनुअल स्कैवेंजिंग'

यह एडिटोरियल 27/08/2022 को 'द हिंदू' में प्रकाशित "Murder in the sewer: On deaths during manual cleaning of sewage" लेख पर आधारित है। इसमें भारत में 'मैनुअल स्कैवेंजिंग' (Manual Scavenging) की समस्या और संबंधित चुनौतियों के बारे में चर्चा की गई है।

भारत में साफ-सफाई का कार्य अंतर्निहित रूप से पदानुक्रम और बहिष्करण की एक प्रणाली से जुड़ा हुआ है, जिसे हम जाति प्रथा के रूप में देखते हैं। बी.आर.अंबेडकर ने बलपूर्वक कहा था कि जाति प्रथा न केवल श्रम विभाजन की ओर ले जाती है बल्कि श्रमिकों का विभाजन भी करती है।

सभी प्रकार के सफाई कार्यों को 'तुच्छ' या नीच कार्य माना जाता है और इसलिये यह कार्य सामाजिक पदानुक्रम के सबसे निचले पायदान के लोगों को सौंपा जाता है। सफाई कर्मचारी के रूप में मुख्यतः दलित व्यक्तियों को नियोजित किया जाता है, जहाँ वे हाथ से मैला ढोने वाले या 'मैनुअल स्कैवेंजर्स' (Manual Scavengers), नालों की सफाई करने वाले, कचरा उठाने वाले और सड़कों की सफाई करने वाले के रूप में कार्य करते हैं।

सरकार के हाल के आँकड़ों के अनुसार, भारत में 97 प्रतिशत मैनुअल स्कैवेंजर्स दलित वर्ग के हैं।

हालाँकि मैनुअल स्कैवेंजिंग की प्रथा पर 'मैनुअल स्कैवेंजर्स के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013' के तहत प्रतिबंध आरोपित है, लेकिन फिर भी यह अमानवीय प्रक्रिया जारी है।

भारत में मैनुअल स्कैवेंजिंग की प्रथा का कारण:

- **अकुशल सीवेज प्रबंधन प्रणाली:** भारत में अधिकांश नगर निकायों के पास सीवेज प्रणाली की सफाई के लिये नवीनतम मशीनें उपलब्ध नहीं हैं और इसलिये सीवेज श्रमिकों द्वारा मैनहोल के माध्यम से भूमिगत सीवरेज लाइनों में प्रवेश कर सफाई करने की आवश्यकता होती है।
  - इसके साथ ही अकुशल सफाई श्रमिकों को काम पर रखना अपेक्षाकृत सस्ता है और ठेकेदारों द्वारा उन्हें दैनिक मज़दूरी पर अवैध रूप से नियुक्त किया जाता है
- **नीतियों का अप्रभावी क्रियान्वयन**: सरकारी कार्यक्रमों के तहत पुनर्वास के वित्तीय पहलू पर प्रमुख रूप से बल दिया जाता है और ये जाति-आधारित उत्पीड़न तथा संबंधित सामाजिक स्थितियों को संबोधित करने में विफल रहे हैं जो सदियों से इस प्रथा को बनाए रखने के लिये ज़िम्मेदार हैं।
  - साथ ही ऐसी कोई उपयुक्त रणनीति नहीं अपनाई गई है जो मैनुअल स्कैवेंजर्स को मनोवैज्ञानिक रूप से मुक्त कर सके। यह स्थिति मैनुअल स्कैवेंजिंग से संलग्न लोगों को इस प्रथा में और धँसने को विवश करती है।
- **सामाजिक गतिशीलता की कमी:** बुनियादी सुविधाओं, शिक्षा और रोज़गार तथा अवसरों की कमी के कारण मैनुअल स्कैवेंजर्स यह कार्य करने को विवश होते हैं और समाज भी उन्हें अन्य सामुदायिक गतिविधियों के लिये स्वीकार नहीं करता है।
  - कोई उन्हें नौकरी की पेशकश नहीं करता है और मकान मालिक उन्हें किराये पर घर नहीं देते। यह परिदृश्य उन्हें भेद्य बनाता है और उन्हें सामाजिक स्तर में ऊपर बढ़ने से अवरुद्ध करता है।

मैनुअल स्कैवेंजिंग के प्रभाव:

- **सामाजिक भेदभाव:** अधिकांश मैनुअल स्कैवेंजर्स को उनके काम की प्रकृति के कारण समुदाय द्वारा हीन दृष्टि से देखा जाता है।
  - उनके साथ अछूत जैसा व्यवहार किया जाता है और उन्हें अपनी यथास्थिति स्वीकार करने के लिये मजबूर किया जाता है।
  - यह समस्या बहुत गहरी है क्योंकि उनके बच्चों के साथ भी भेदभाव किया जाता है और उन्हें उनके माता-पिता के समान इसी कार्य से संलग्न होने के लिये मजबूर किया जाता है।
- **जाति आधारित असमानताएँ:** इनकी जाति को अभी भी निम्न वर्ग माना जाता है और उन्हें बेहतर व्यवसाय से बहिर्वेशित रखा जाता है।
  - मैला ढोने के कार्य को उनके प्राकृतिक पेशे के रूप में देखा जाता है।
  - इसके साथ ही बेहतर आजीविका की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करने वाले हाशिए पर स्थित जातियों के लोग अवसर के अभाव में अंततः इसी कार्य से संलग्न होने के लिये विवश होते हैं।
- **स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ:** मैला ढोने और साफ-सफाई के कार्यों में संलग्न लोग कार्बन डाइऑक्साइड, अमोनिया और मीथेन जैसी गैसों के संपर्क में

आते हैं। इन गैसों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से उनमें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती है और उनकी मृत्यु भी हो सकती है।
    - वे सीवर में भी वभिन्नि संक्रमणों के संपर्क में आते हैं जहाँ कई रोगाणु मौजूद होते हैं।
    - **राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (NCSK)** के डेटाबेस के अनुसार, वर्ष 2013 से 2017 के बीच सेप्टकि टैंक की सफाई के दौरान 608 मैनुअल स्कैवेंजर्स मौत के शकिार हुए।

मैनुअल स्कैवेंजगि की समस्या से नपिटने के लयि उठाए गए कदम:

- मैनुअल स्कैवेंजर्स के नयिोजन का प्रतषिध और उनका पुनर्वास (संशोधन) अधनियिम, 2020
- मैनुअल स्कैवेंजर्स के नयिोजन का प्रतषिध और उनका पुनर्वास अधनियिम, 2013
- अस्वच्छ शौचालयों का नरि्माण और रखरखाव अधनियिम 2013
- अत्याचार नविारण अधनियिम, 1989
- सफाई मत्रि सुरक्षा चुनौती
- स्वच्छता अभयिान ऐप

भारत द्वारा मैनुअल स्कैवेंजगि पर अंकुश लगाने के माध्यम:

- **उपयुक्त पहचान:** मैनुअल स्कैवेंजगि मानव अधकिारों का उल्लंघन तो है ही, मानवता के लयि कलंक भी है। इसलयि राज्य सरकारों को प्रभावी नीतकिार्यान्वयन सुनश्चिति करने हेतु प्राथमकिता के आधार पर ज़हरीले मल-कीचड़ की सफाई से संलग्न श्रमकिों की पहचान करनी चाहयि।
- **हतिधारकों की सक्रयि भागीदारी:** इस समस्या से नपिटने के लयि इससे संलग्न सभी प्रमुख हतिधारकों को साथ लाना आवश्यक होगा।
    - इनमें ज़लिा प्रशासनकि अधकिारी, मुख्य चकित्सिा अधकिारी, गैर सरकारी संगठन और नगर नकिाय सहति अन्य संबंधति कार्यकारी शामलि हैं।
    - सर्वाधकि प्रभावति क्षेत्रों के आसपास के समुदाय को कार्यक्रम में शामलि करना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।
    - अधकिारयिों और समुदाय से प्राप्त फीडबैक से पहल के साथ आगे बढ़ने के सर्वोत्तम तरीके पर एक सूचति नरि्णय लेने में मदद मलिेगी।
- **जन जागरूकता:** स्थानीय लोगों के साथ एक कार्यशाला आयोजति करने से अधकिारयिों को मैला ढोने और शौचालयों के इस्तेमाल से संबंधति कानूनी नहितिार्थों के बारे में जागरूकता के प्रसार में मदद मलिेगी, साथ ही वे इस प्रथा के कारणों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।
    - जागरूकता अभयिानों को न केवल मैला ढोने के खतरों को संबोधति करना चाहयि, बल्कि प्रभावति समुदाय को आय अर्जति करने के वैकल्पकि उपाय भी सुझाने चाहयि।
    - स्थानीय लोगों को भी ऐसे समाधान सुझाने की अनुमति दी जा सकती है जसिसे वे सहज हों।
- **मैनुअल स्कैवेंजर्स के लयि मुआवजा और उनका पुनर्वास:** अधकि रोज़गार अवसरों का सृजन सबसे महत्त्वपूर्ण पुनर्वास प्रक्रयिाओं में से एक होगा।
    - सृजति नौकरयिों का उद्देश्य स्थानीय लोगों को समान अवसर प्रदान करना होगा। सृजति नौकरयिाँ मैनुअल स्कैवेंजर्स को समुदाय में आत्मसात् करने के साधन के रूप में भी कार्य करेंगी।
    - वर्ष 2014 में सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश ने सरकार के लयि यह अनविार्य बनाया कि वह उन सभी लोगों की पहचान करे जो वर्ष 1993 से अब तक सीवेज सफाई के दौरान मारे गए और उनमें से प्रत्येक परविार को 10 लाख रुपए मुआवजा दे।
- **उपयुक्त मानव अपशष्टि प्रबंधन में नविेश:** ठोस एवं तरल अपशष्टि पृथक्करण समस्याओं को हल करना तथा साथ ही नगर नकिाय स्तर पर जैव खाद का नरि्माण करना ऐसे कुछ उपाय हैं जो मानवता के लाभ के लयि अपशष्टिों का उपयोग कर सकते हैं।
    - अपशष्टि को दायत्वि के बजाय संपत्ति के रूप में देखने से मैनुअल स्कैवेंजगि को भवष्यि में कम कयिा जा सकेगा और यह स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत में योगदान कर सकेगा।
- **रोबोटकि स्कैवेंजगि:** रोबोटक्सि और आर्टफिशियिल इंटेलजिेंस की मदद से ऐसी मशीनें तैयार की जा सकती हैं जो ऐसे मैनुअल श्रम में इंसानों की जगह ले सकें।
    - बैंडीकूट (Bandicoot) एक ऐसी ही रोबोटकि मशीन है जसिे कसिी भी प्रकार के सीवर मैनहोल की सफाई के लयि बनाया गया है
- **सामाजकि एकता की ओर:** मैला ढोने का कार्य अत्यंत कम आय प्रदान करता है जो एक बच्चे को शक्षिति करने के लयि भी पर्याप्त नहीं है। इस परदृिश्य में बच्चा पढ़ाई बीच में ही छोड़ देता है और अपने माता-पति के साथ उसी कार्य में संलग्न होने के लयि ववशि होता है।
    - ऐसी योजनाओं का कार्यान्वयन कयिा जाना चाहयि जो इन बच्चों को अपनी पढ़ाई पूरी करने में मदद करे। यह मैनुअल स्कैवेंजगि से संबद्ध धारणाओं और मथिकों के त्याग में एक प्रभावी रणनीति साबति होगी।

अभ्यास प्रश्न: हालाँकि भारत में मैनुअल स्कैवेंजगि की प्रथा पर प्रतबिंध आरोपति है, लेकनि यह अमानवीय अभ्यास अब भी जारी है। समालोचनात्मक वश्लिेषण करें।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/manual-scavenging-in-india